

ग्रसाधारर

EXTRAORDINARY

भाग ІП--सण्ड 1

PART III—Section

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 8] नई विल्ली, ज्ञानियार, सितम्बर 29, 1973/प्राहिचम 7, 1895

No. 8] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 29, 1973/ASVINA 7, 1895

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि वह श्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filled as a separate compilation

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY

(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range NOTICES UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961

(43 **OF** 1961)

Nagpur, the 3rd September 1973

No. IAC/ACQ/7/73-74.—Whereas, I, S. S. Roy being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 bearing house.

Nazul plot No. 79 out of Khasra No. 217, Mouza Lendhra, having area of 12000 Sft. situated at Civil Expansion Scheme, Ramdaspeth, Nagpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nagpur on 28th March, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Facilitating reduction or evasion of the Liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) Facilitating concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons, for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under Sub-section (1) of Section 269-D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) (i) Smt. Shashikala Waman Khare
 - (ii) Shri Shashank Waman Through Natural (Transferer) Guardian Waman Wasudeo Khare.
- (2) (i) Vijayprakash N. Singhania
 - (ii) Rajkamal N. Singhania

(Transferee)

(iii) Vinodkumar N. Singhania

(3) ... (Person in occupation of the property)

(4) .. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right t_0 be heard at the hearing of the objections.

Explanation:

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter-XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House property bearing Nazul Plot No. 79 and Khasra No. 217, Mouza Lendhara, situated in Clvil Station Expansion Scheme, Ramdaspeth, Nagpur (Maharashtra).

SEAL

Nagpur, dated the 3rd September, 1973.

कार्यालय सक्षम प्राधिकारी

(निरीक्षक सहायक श्रायकर ब्रायुक्त बर्जन रेंज, माः पुर)

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के मधीन सचना

नागपुर, 3 सितम्बर, 1973

संख्या द्वाय० ए० सी०/ए० सी० व्यू०/7/73-74.—यत:, मुझे, एस० एस० राय, श्रायकर प्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के स्वाधीन सक्षम प्राधिकारी को. यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 ए० से

म्रधिक है भ्रौर जिसकी:

*****3.

श्री/श्रीमती/कुमारी

सं० 12,000 चोरसपूट भूमी जिसका नझूल प्लाट नं० 79 जो खसरा नं० 217 ग्रीर जो मौक्षा लेंड्रा मिव्हील एक्सपानणन स्किम रामदास पेठ नागपूर में स्थित है। (ग्रीर इस से उपाबद्ध श्रनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, नागपूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 28/3/73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के श्रनुमार श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रिष्ठक है श्रीर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे श्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बावत ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस से बचने के लिए सुकर बनाना, ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों, को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिएथा, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

श्रीर यतः श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्स सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रमिलिखित किए गए हैं।

श्रतः, ग्रब, धारा 269-ग के ग्रनुमरण में, मैं, ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थातः---

श्रीमती (i) शशीकला वामन खरे
 (ii) श्री शशांक वामन खरे
 मार्फत ग्रज्ञान पालक
 वामन बासूदेव खरे (ग्रन्तरक)
 श्री/श्रीमती/कुमारी (i) विजयप्रकाण एन० सिंघानिया
 (ii) राजकमल एन० सिंधानिया
 (iii) विनोदकुमार एन० सिंधानिया (ग्रन्तरिती)

..... (वह न्यक्ति , जिस के भ्रधिभोग में सम्पति हैं)

*4.	श्री/श्रीम री/कुमारी
	(यह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानत
	है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां गृरू करता हुं।

उक्त सम्पति के भ्रर्जन के प्रति भ्राक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के प्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जा ऐंगे और उस की सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को वी जाएगी।

एतदहारा भ्रागे यह श्रधिमूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के भ्रष्ठीन सूचनादी गई है, श्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्पद्धीकराग.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रवधि, जो श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा पारिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुस्ची

गृह संम्पत्ति जिसका नश्नूल प्लाट नं० 79 है श्रीर खसरा नं० 217 हैं जो मौझा लेंड्रा सिव्हील स्टेशन एक्सपान्शन स्किम रामदास पेठ नागपूर (महाराष्ट्र) में है

तारीख: 3-9-1973.

मोहर:

*(जो लागून हो उसे काट दीजिए)

Nagpur, the 4th September 1973

IAC/ACQ/10/73-74.—Whereas I, S. S. Roy, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 bearing:

House No. 22 and Nazul plot No. 12 (Sheet No. 27C) Akola.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Akola on 19th April, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the Liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under Sub-section (1) of Section 269-D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(I) Shri Vijay Dinkarrao Rajurkar (Transferor)

(2) Shri Hakeemji Jiwaji Bohari . (Transferee)

(3) .. (Person in occupation of the property)

(4) .. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter-XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

SCHEDULE

House property bearing house No. 22 and Nazul plot No. 12 (Sheet No. 27C) on Tilak Road in Municipal Ward No. 28 at Akola (Maharashtra).

Nagpur, dated the 4th September, 1973.

Seal

नागपुर, 4 सितम्बर 1973

सं शाई ० ए० सी ० ए० सी ० व्यू०/10/73-74.—यतः मुझे, एस० एस० राय श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(ख) के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है श्रीर जिसकी

सं० 22 और नझूल प्लांट नं० 12 (सिट नं० 27 सी) जो आकोला में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आकोला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनिष्म, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-4-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथ।पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे का पन्छ प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरिण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय ा किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

श्रीर यत: श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीकत सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही शरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए गए हैं।

श्रतः, श्रव धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं श्राय-कर श्रविनियम, 1961 (1961) का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रवित्:—

	वह व्यक्ति, जिसके श्रविभोग में सम्पत्ति हैं)
*3.	श्री/श्रीमती/कुमारी
	(भन्तरिती)
2.	श्रा/ श्रामता/कुमारा व्या हाकानचरा जिलाणा वाहरा
	(भन्तरक) श्री/श्रीमती/कुमारी श्री हाकीमजी जिवाजी वोहरी
	/m
1.	श्रा/श्रामता/कुमारा श्राविणय विनकर राव राज रकर

*4,	श्री/श्रीमती/मृमारी
	(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रघोहरताक्षरी जानता है
	कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां मुक्त करता हं।

चक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हो, तो-

- (क) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह श्रधिसृचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख श्रौर स्थान नियत किये जाएँगे श्रीर उस की सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्धारा आगे या प्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, श्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए प्रधिकार होगा ।

स्पष्टीकर्ग--- इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रीर पदों का, जो श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43 के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

गृह संपत्ति कमांक 22 श्रीर नङ्गल प्लाट नं० 12 (सीट नं० 27 सी) जो तिलक रोड म्युनिसिपल वार्ड नं 28 श्राकोला में स्थित हैं।

तारीख: 4-9-1973

मोहर

*जो लागुन हो उसे काट दीजिए ।

No. IAC/ACQ/11/73-74.—Whereas, I. S. S. Roy being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 bearing.

No. 246/06 in Municipal Ward No. 22, Bagadganj, Nagpur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the

Office of the Registering Officer at Nagpur on 29th March, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(S) and the transferee(s) has truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the Liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-D, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under Sub-section (1) of Section 269-D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

- (1) M/s. Premji Shivji and Company . (Transferor)
- (i) Smt. Iceviben w/o Karsan (ii) Smt. Jethibai w/o Deosi Patel (iii) Smt. Vasantibai w/o Manilal

 - Smt. Damayantibal w/o Harilal (iv)
 - 3) (i) M/s. Azad Saw Mills (Person in occupation of the property)

(Transferce)

. (Person whom the undersigned knows to

be interested in the property)

- (ii) Shri Arjan Ramchan
- (iii) Shri Chunilal Walji
- (iv) Shri Vishram Lakhansi
- (v) Shri Premji Deoji

(4)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) By any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every persons who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter-XXA of the Income-tax Act; 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

SCHEDULE

House property bearing No. 246/06 In Municipal Ward No. 22 (Plot No. 16-A Section III Circle No. 11/16 Division No. 3) at Bagadgani, Nagpur.

Nagpur, dated the 4th September, 1973.

Seal

♥प्०/11/73-74---यतः, सो०/ए० सी० संख्या श्राय ० ए० मुझं, एस० एस० राय० श्राय कर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 269 (1) ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है श्रौर जिसकी जो म्यनिसिपल वार्ड नं० 22 बगडगंल नागपूर (ग्रीर इस से उपाबद्ध ग्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नागपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 19-3-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के भ्रनुसार भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है ग्रीर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर श्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयाथा या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

श्रीर यतः श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रष्ट्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रिभिलिखित किए गए हैं ।

श्रतः, श्रव, धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रर्थात् :---

1.	श्री/श्रोमती/कुमारी	में० प्रेमजी शिवजी एंड कंपनी
		(ग्रन्तरक)

- श्री/श्रीमतो/क्मारी । श्रीमती जी जीवेन कसन
 - 2 श्रीमतीजेठा बाई देवसी पटेल
 - 3 श्रीमती बसंती बाई मनीलाल
 - 4 श्रीमतो दमयंतीबाई हरीलाल (ग्रन्तरिती)

- *3. श्री/श्रीमती/कुमारी 1 श्री स्नाजाद साँ मिल 2 श्री स्रर्जुन रायचंद 3 श्री चुन्नीलाल वालजी 4 श्री विश्राम लखनसी 5 श्री प्रेमजी देवजी

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शिष्टूरू करता हुं।

उक्त सम्पति के प्रर्जन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध , जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह श्रिष्ठसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में दिए गए श्राक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे श्रीर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतव्द्वारा स्रागे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, श्राक्षेपों की सूनवाई के समय .सूने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पर्वहीकरण. — इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का जो आयकर ध्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

ग्रन्स्चो

गृह सम्पत्ति क्रमांक 246/06 जो म्युनिसिपल वार्ड नं० 22 (प्लांट नं० 16 ए सेक्शन 3 सर्कल नं 11/16 डिव्हीजन नं 3) बगडगंज नागपूर में स्थित है।

तारीख: 4-9-1973.

मोहर

*(जो लागू न हो उसे काट वीजिए)

No. IAC/Acq/12/73-74.—Whereas, I. S. S. Roy, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 bearing:

No. 1169/0-1 Cir. No. 20 Ward No. 40, on Hill Road, Gokulpeth Nagpur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nagpur. Partly on 26th March, 1973 and partly on 3rd April, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the Liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets whichh have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under Sub-section (1) of Section 269-D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Sow, Kamalabai Purushottam Tidke . (Transferor)
- (2) Shri Vinayak Narayanrao Girnikar (Transferee)
- (3) (i) Parvani Shin lhi
 (ii) Sow. Kamalabai Purushottam Tidke (Person in occupation of the property)

 (4) (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) By any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every persons who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter-XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House property No 1169/0-1 in Circle No. 20, Ward No. 40, on Hill Road, Gokulpeth Layout, Nagpur.

Seal

Nagpur, dated the 4th September, 1973.

सं० श्राय० ए० सी० /ए० सी० क्यू०/12/73-74 — यतः, मुझे, एस० एस० राय श्रायकर श्रिधिनयम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के स्वाधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/— द० से प्रधिक है श्रीर जिसकी सं० 1169/01 जो, संकंल नं० 20 वार्ड नं० 40 लिंक रोड गोकुलपेंठ नागपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय नागपुर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दो भागां 26-3-73 ग्रोर 3-4-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के श्रनुसार श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत प्रधिक है श्रीर यह कि श्रन्तरक (ग्रन्तरिकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे ग्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्रांय की बाबत, ग्रायकर ग्रिमित्यम, 1961 (1961 का 43) के ग्रिमित कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, ग्रोर /या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों, को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिकिनियम, 1922 (1922 का 11) या ग्रायकर ग्रिकिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर ग्रिकिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तियती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;
- भीर यतः श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1981 का 43) के श्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा ग्रिभिलिखित किए गए हैं।
- न्नतः, ग्रम्म धारा 269-म के म्रनुसरण में, मैं ग्रायकर ग्राधिनयम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्राधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्राथार्त:-

..... (बह व्यक्ति, जिसके ब्रिह्मभोग में सम्पत्ति है)

†4.	श्री/श्रीमती/कुमारी						
	(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है						
	कि वह सम्पत्ति में हिसबद्धा है।)						

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहिया। शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समान्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबज्ञ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे!

एतद्द्वारा यह ग्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रजन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख ग्रीर स्थान नियत किये जाएंगे ग्रीर उस की सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा ग्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के धन्तरिती को दी जाएंगी।

एतद्द्यारा श्रागे यह श्रधिमूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्तिको, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, श्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रधिकार होगा ।

स्पट्टीकरण. --इसमें प्रयुक्त शच्दों भीर पदों का, जो भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन 20-क में यथापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

गृहसंपत्ति क्रमांक 1169/01 जो सर्कल नं० 20 वार्ड नं० 40 हिल रोड गोकुलपेठ नागपुर में स्थित है

तारीख: 4-9-1973

मोहर

*जी लागून हो उसे काट दीजिए

No. IAC/Acq/13/73-74.—Whereas, I.S.S. Roy being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 bearing

No. 39 on Mirchi Bazar Road in Ward No. 36 Itwari, Nagpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nagpur partly on 26th March, 1973 and partly on 13th April, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration.

(4)

for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the Liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, l_n pursuance of Section 269-D, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under Sub-section (1) of Section 269-D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) M/s. Hajikarim Noor Mohmed and partners 7

` '	(i) Seth Ismail Abdul Shal (ii) Seth Noor Mohmed H (iii) Seth Yashin Ismail (iv) Seth Abdul Karim I	Iaji Ibrahim and	ĺ	insferor)		
(2)	M/s. Patels Kanji Hansraj Partners	Bidi Works		nsferee)		
(3)			(Person in	occupation	of the	property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;

(Person whom the undersigned knows to be

interested in the property)

(b) By any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every persons who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter-XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

SCHEDULE

House property bearing No. 39 on Mirchi Bazar Road, in Word No. 36, Itwari, Nagpur.

Nagpur dated the 4th September, 1973.

Seal

सं० प्राई० ए० सी०/ए० सी० क्यू०/13/73-74. — यत:, मुझे, एस एस रॉय ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) घ के ग्रधिन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है ग्रौर जिसकी:

सं० 39 जो मिरचीवजार-रोड वार्ड नं० 36 ईतवारी नागपूर में स्थित है।
(श्रीर इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नागपुर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 दो भागों में 26-3-73 और 13-4-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीइन्त विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत अधिक है श्रीर यह कि अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया। ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक कृप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस से बचने के लिए सुकर बनाना, श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों, की, जिन्हें भारतीय भ्राय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिएथा, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

श्रीर यत: श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रष्ट्याय 20-क के शब्दों म पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए गए हैं।

श्रतः, प्रव, धारा 269-ग के श्रनुसरण ॄैमें मैं, श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथित् :--

1.	श्री/श्रीमती/कुमारी में हाजिकरीम नूर मोहमद भ्रौर पार्टनर
	सेठ इस्माइल ग्रब्दुल गफूर
	सेठ नूर मोहमद हाजी इब्राहीम
	सेठ यासिंग इस्माइल श्रीर (श्रन्तरक)
	सेठ श्रब्दुल करीम नूर मोहमद
	_

2.	वा/व्यामता/कुमारा	म पटल	काजाहसराज	जाविशा द	अवस फ्रार पाटनर
	• • • • • • • • • • • •				(ग्रन्तरिती)
*3.	श्री/श्रीमती /कुमारी				
				•	
		(वह व्यक्ति, रि	जसके ग्राधि	भोग में सम्पति है)

* 4 .	श्री/श्रीमती/कुमारी
	•••••
	(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रश्नोहस्ताक्षरी जानता है
	है कि वह सम्पत्ति में हितबक्ष है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त, सम्पत्ति के ब्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शरू करता हूं।

रप्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के प्रति भ्राक्षेप, यदि कोई हो, तो-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन ऋषी प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- [ख] इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्ता स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा. श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

एतदृद्वारा यह श्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए ग्राक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख ग्रौर स्थाने नियत किये जाऐंगे श्रीर उस की सचना हर ऐसे व्यक्ति को. जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतदद्वारा श्रागे यह श्रधिसुचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, श्राक्षेपों की सूनवाई के समय सने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्वध्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर श्रवधि, जो श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही प्रर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सची

गृहसंपत्ती कमांक 39 जो भिरची बजार रोड वार्ड नं० 36 ईतवारी नागपुर में स्थित है।

तारीख: 4-9-1973

मोहर:

*(जो लागुन हो उसे काट दीजिए)

No. IAC/Acq/14/73-74.—Whereas, I, S. S. Roy being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 bearing:

Two shops in the ground floor of house No. 653-A (Known as Govind Niwas) in Ward No. 16 Central Avenue Road, Nagpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in Office of the Registering Officer at Nagpur on 29th March, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as

agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the Liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets whichh have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under Sub-section (1) of Section 269-D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Govindram Verhomal Chhabriya

(Transferor)

(2) (i) Smt. Vidyadevi Gangaram (ii) Smt. Kamladevi Ludindaram

(Transferee)

3) (i) Sureshlal Parashram

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be

(ii) Manager, Singer Sewing Machine Co.

(4) Wanager, Singer Sewing Machine (

interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) By any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferse of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph chall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter-XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter

SCHEDULE

Two shops in the ground forc of house No. 563-A (known as Govind Niwas) in Ward No. 16 on Central Avenue Poad, Nagpur, Seal

Nagpur dated the 3rd September, 1973.

सं घा० आई० ए० सी० (० ली० व्यू०14/73-74.—यतः, भुझे, एस० एस० राय आयकर प्रधितित्य, 1961 (1001 का 43) की धारा 269 व के स्वधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विषयम करो का कारण है कि न्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कु० मे अधिक है और जिसकी:

सं० गोतिदिनिवास नाम र हिनायती। भें से दो दुकान निवती पंतिल यर जिमाला गर् कमांक 563-ए है को बार्ड रं० 16 सेंट्रल एक्ट्यू रोड नागपुर में स्थित है

(त्रौर इसमे उपावद्धः अनुसूची में फोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागपुर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 29-3-1973 को पूर्वीश्वत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृण्यमान प्रतिकल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के श्रनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोत्रस सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

भीर यतः भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रष्टाय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजैन के लिए कार्यवाही शरू करने के कारण मेरे द्वारा स्रभिलिखित किए गए हैं।

श्रतः, घव घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों श्रर्थात् :---

- श्री गोविन्द राव विरहमल छावरिया (धन्तरक)
- (1) श्रीमती विदेश देवी गंगाराम
 - (2) श्रीमती कमला देवी लुधिन्दा (प्रन्तरिती)
- *3. श्री/श्रीमती/कुमारी
 - (1) सुरेश लाल परसराम
 - (2) मैंने जर सींगर से कींग मर्थान किंपनी वह व्यक्ति, जिसके ब्रिक्षिमोग में सम्पत्ति हैं)
- *4. श्री/श्रीमती/कुमारी
 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है
 ि वह सम्पत्ति में हितबद है)
- को यह सूचना जारी कर के पूर्वीवत सम्बक्ति के उर्वन के लिए एतद्शारा कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के प्रति ग्राक्षेप, यदि कोई हो, तो---

(क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दि की ग्रामध्या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती है के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ; इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एन द्वारा यह श्रधिमूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उस की सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दो जाएगी।

एतद्द्वारा भागे यह भ्रधिस्चित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्व वर्ती पैरा के भ्रभीन सूचना दी गई है, श्राक्षेप की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रधिकार होगा ।

स्पक्टोकर गा.—इसमे प्रयुक्त शब्दों स्रोर पदों का जो स्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के सम्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही सर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

म्र गुस्खं

गोबिद नियास नामक गृहसं ५ नि में मे दो दुकान निचली मंत्रिल ং र जिसका गृह-कमांक 56-ए पर है जो कार्ड नं ० 16 सेंट्रल एवेन्स् रोड, नागपूर में रिथन है।

सारीख: 4-9-1973

मोहर:

(जो लाग न हैं। उसे काट दीजिए)।

No. IAC/Acq/15/73-74.—Whereas, I, S. S. Roy being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 23,000 bearing

House No. 319/091 Cradok Town, Dhantoli, Nagpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nagpur on 23th March, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the Liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax 4, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 259-C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under Sub-section (1) of Section 269-D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Satyaki Gupta . . . (Transferor)
- (2) S nt. Shantabai Innerchandji Kejadiwal (Transferee)
- (3) .. (Person in occupation of the property
- (4) .. (Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the tequisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) Ev any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter-XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter

THE SCHEDULE

House property bearing House No. 319/091, Cradok Town, Dhantoli, Nagpur.

Seal Seal

Nagour, dated the 11th September, 1973

S. S. ROY,

(Competent Authority),

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagpur.

नागार 11 सितम्बर 1973

नं पायं एक है। है। नो नं क्रिक्ट 5/73-74--यतः मुझे एक एक राय आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व के स्वाधीन सरक्ष प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- में अधिक है और जिसकी

मं० 319/09। काडकटाउन, धंतोली, नागपूर है।

(ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्नी में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्णालय, नामपुर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 26-3-1973 को पूर्वोत्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूष्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के ग्रनुसार ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुग्ने यह विश्वास करने हो कारण है कि यथाम्भित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल हा पन्दह प्रतिशत ग्रिधिक है ग्रौर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती

(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रुप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत भायकर भिधितियम, 1961 (1961 का 43) के भिधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने का उससे बचने के लिए सुकर बनाना, भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्य भ्रास्तियों, को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भ्रायकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भ्रन्ति हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

भीर मतः आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) के मध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे हारा मिकलिखित किए गए हैं।

म्रतः ग्रव, धारा 269-म के म्रनुसरण में, भ्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्दलिखित व्यक्तियों, म्रथित् :---

- श्रीमती सत्यकी गुप्ता (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती मांताबाई इंद्रचंदजी केजडीवाल (ग्रन्सरिती)
- श्रा/श्रीमती/हुमारः (वह यक्ति, जिसके शिष्टोग में सम्पति है)
- श्री,श्रीमती, कुमारी (बह यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति भे हिन ३ छ है)
- को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के ब्रार्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवा**हियां** णुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हो, तो---

(क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाज होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;

(ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त-स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे ।

एतद्शारा यह श्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के ग्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए ग्राक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख ग्रीर स्थान नियत किये जाएगे ग्रीर उस की सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा ग्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के ग्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्व।रा भागे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, श्राक्षेपों की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए श्रधिकार होगा ।

स्पष्टि (कर्मा प्रयुक्त शक्षों श्रीर पदावधि, जो श्रायकर श्रधितियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया हैं।

ब्रासूची

गृह संम्पत्ति संख्या कॅमांक 319/091 काडक टाउन, धंतोली, नागपूर में स्थित है।

एस० एस० राध,

गारी**ख**: 11-9-1973

(सक्षम् प्राधिकारी)

मोहर:

राहायक श्रायकर श्राय्वत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, नागपर।

(जो लागू **न हो** उसे काट दीकिए)